

<><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत सत्रहवीं किस्त जारी की— कहा ये कार्यक्रम विकसित भारत के रास्ते को और मजबूत करेगा।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें दलहन और तिलहन पर आत्मनिर्भर बनना है।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इक्कीस जून को श्रीनगर में दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लेंगे।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्राम पंचायत प्रमुखों से योग और मोटे अनाज के बारे में जागरूकता फैलाकर समग्र स्वास्थ्य को एक जन आंदोलन बनाने का आग्रह किया है।
- अंडमान निकोबार द्वीपसमूह को शीर्ष गोताखोरी गंतव्य बनाने के लिए पर्यटन विभाग की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ स्थानांतरण योजना बन चुकी है। वे आज काशी के मेहंदीगंज में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत सत्रहवीं किस्त जारी करने के बाद उपस्थित जन-समूह को संबोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस योजना के जरिए सही लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने के लिए प्रौद्योगिकी का सही उपयोग किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सही नीयत होती है और सेवा की भावना होती है, तो हर काम आसानी से चलता है। उन्होंने कहा कि इक्कीसवीं सदी के भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था की सूची में लाना है। उन्होंने कहा कि दलहन और तिलहन पर हमें आत्मनिर्भर बनना है और कृषि निर्यात में भी अग्रणी बनना है। उन्होंने कहा कि हमें खेती में भी जीरो एफेक्ट-जीरो डिफेक्ट वाले मंत्र को अपनाना होगा। श्री मोदी ने कहा कि खेती को नई दिशा देने के लिए माताओं और बहनों का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि पी एम किसान योजना कार्यक्रम विकसित भारत के रास्ते को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि जनता ने लगातार तीसरी बार उन्हें प्रधानमंत्री बनाकर एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। वे जनता की अपेक्षाओं और सपने को पूरा करने के लिए भरसक प्रयत्न करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में लोग दस साल के बाद फिर से जनादेश देती है, वो बहुत बड़ा विश्वास है। जनता का यह विश्वास देश को नई ऊँचाई पर पहुंचाने के लिए प्रेरणा देता है। हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये चुनाव भारत की लोकतंत्र की विशालता, व्यापकता और जड़ों की गहराई को दुनिया के सामने पूरे सामर्थ्य के साथ प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में देश के लोगों ने जो जनादेश दिया है, वह अभूतपूर्व है। आज के कार्यक्रम में देशभर के नौ करोड़ तीस लाख किसानों को बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्थानांतरित की गई। बाईस फरवरी दो हजार उन्नीस को प्रधानमंत्री किसान सम्मान के तहत पहली किस्त जारी की गई थी और आज श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों फिर से सत्रहवीं किस्त जारी की गई।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इक्कीस जून को श्रीनगर में दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लेंगे। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय है— स्वयं और समाज के लिए योग। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने आज नई दिल्ली में कहा कि इस वर्ष का विषय— व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग की दोहरी भूमिका के महत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में लाखों लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से समुदायों पर योग के गहरे प्रभाव का पता चलता है। इस अवसर पर, उन्होंने दृष्टिबाधित लोगों की सुविधा के लिए ब्रेल लिपि में एक सामान्य योग प्रोटोकॉल पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने योग पर प्रोफेसर आयुष्मान कॉमिक का लोकार्पण भी किया। यह पुस्तक बच्चों को रुचि और मनोरंजन के साथ योग सीखने और अभ्यास करने में मदद करेगी। इस वर्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर एक अनूठी पहल 'अंतरिक्ष के लिए योग' का आयोजन कर रहा है। इसरो के सभी वैज्ञानिक और अधिकारी तथा गगनयान मिशन के सदस्य भी योगाभ्यास करके अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के वैश्विक अभियान में शामिल होंगे। योग के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी तथा स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय ने माई गाँव पोर्टल और माई भारत पोर्टल पर योगाटेक चैलेंज शुरू किया है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्राम पंचायत प्रमुखों से योग और मोटे अनाज के बारे में जागरूकता फैलाकर समग्र स्वास्थ्य को एक जन आंदोलन बनाने का आग्रह किया है। ग्राम प्रधानों को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि

<><><><><><><>

<><><><><><><>

<><><><><><><>

<><><><><><><>

<><><><><><><>